ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

आज का स्वमान

“मै विश्वको लाईट माईट देने वाली फरिश्ता स्वरूप आत्मा हू”

चिंतन: “मै एक फ़रिश्ता हूँ। मेरी लाइट की काया है। में ज्ञान की लाइट और योग की माइट से भरपूर हूँ। मुझसे लाइट और माइट सारे ब्रह्मांड में फैल रही है। सभी आत्माये अपने लाइट के स्वरूप को महसूस कर रही है।सभी आत्माये सुख, और शांति का अनुभव कर रही है।"

आज की क्रिएटिव एक्टिविटी

आज पूरे दिनभर “मै एक फ़रिश्ता हूँ” इसी स्वमान मे स्थित होकर हर कर्म करना है|

"जो नाम-मान के भिखारीपन का त्याग करते हैं वह विश्व के भाग्य विधाता बन जाते हैं।"

जैसे बाप को नाम रूप से न्यारा कहते हैं लेकिन सबसे अधिक नाम का गायन बाप का है, वैसे ही आप भी अल्पकाल के नाम और मान से न्यारे बनो तो सदाकाल के लिए सर्व के प्यारे स्वत: बन जायेंगे। जो नाम-मान के भिखारीपन का त्याग करते हैं वह विश्व के भाग्य विधाता बन जाते हैं। कर्म का फल तो स्वत: आपके सामने सम्पन्न स्वरूप में आयेगा इसलिए अल्प-काल की इच्छा मात्रम अविद्या बनो। कच्चा फल नहीं खाओ, उसका त्याग करो तो भाग्य आपके पीछे आयेगा।

Sakar Murli - 13-6-2020

Self Management

अगर हम सदैव प्रसन्नचित्त रहते हैं तो ही हम आत्म अभिमानी हैं पर अगर जगह-जगह किसी न किसी बात पर मूँझ जाते हैं तो हमारे अंदर अभी भी देह अभिमान का अंश शेष है।

परिस्थितियां चाहे कैसी भी क्यों ना हो, कितने भी संघर्ष का सामना क्यों ना करना पड़ रहा हो और भले ही हमें अभी तक हमारी योग्यता के अनुसार ना मिल पाया हो पर हमारी खुशी कभी हमसे दूर ना हो।
अगर हम अपने वर्तमान में हर हाल में खुश रहते हैं तो ही हमारा भविष्य भी खुशहाल बनता है अन्यथा अपनी खुशियों को भविष्य के ऊपर टालने से वर्तमान के साथ-साथ हमारा भविष्य भी दुखदायी और अधूरा सा बनता है।

Om Shanti

आत्मा - एक प्रोग्रामर

कम्प्यूटर संचालक के
द्वारा रोबोट का नियंत्रण

आत्मा मस्तिष्क के द्वारा
शरीर को नियंत्रित करती है

बिना आत्मा के
हड्डी-मांस का शरीर

आत्मा की तीन सूक्ष्म शक्तियाँ

जीवात्मा

कार चालक, कार से भिन्न होता है

**इस सृष्टि नाटक में हर आत्मा समय के अनुसार
अपना-अपना भूमिका अभिनय करती है**

अव्यक्त शिक्षाएँ

शीतलता की शक्ति अर्थात् आत्मिक स्नेह की शक्ति। चन्द्रमा 'माँ' स्नेह की शीतलता से कैसे भी बिगड़े हुए बच्चे को बदल लेती है। तो स्नेह अर्थात शीतलता की शक्ति किसी भी अग्नि में जली हुई आत्मा को शीतल बनाए सत्यता को धारण कराने के योग्य बना देती है। पहले चन्द्रमा की शीतलता से योग्य बनते फिर ज्ञान सूर्य के सत्यता की शक्ति से 'योगी' बन जाते! तो ज्ञान चन्द्रमा के शीतलता की शक्ति बाप के आगे जाने के योग्य बना देती है। योग्य नहीं तो योगी भी नहीं बन सकते हैं। तो सत्यता जानने के पहले शीतल हो? सत्यता को धारण करने की शक्ति चाहिए।

अ.बापदादा-21.02.85

जब कोई हमारा अपमान करता है, धोखा देता है,
तो मन कहता है - "हम उनको क्यूँ क्षमा करें?"
बात पकड़ कर रखना, उसको बार बार दोहराना,
दर्द हमें देता है .... उन्हें नहीं।

हमें क्षमा उनके लिए नहीं, अपने सुख के लिए करना है।
उनका व्यवहार चित पर रखने से, औरों को सुनाने से,
हमारे संस्कार और हमारी सेहत, दोनों ओर असर पड़ता है।

FORGIVE for a Healthy and Happy Life.

BKShivani

Keep your
heart clean
and
your
head cool
- Dadi Janki -
www.dadijanki.org

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org